(e) Unit price realised per Kg. exported to different countries is given below:

Country	Average price per kg (in Rs.) F.O.B.
U.K.	86.85
Belgium	51.58
Germany	71.16
Czechoslovakia	77.07
Russia	65.00
Egypt	80.00
Libya	97.59
Nepal	55.26

Decline in turn over of S.T.C.

1138. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that total turnover of STC has been declining continuously over the past three years; if so, the reasons therefor;

(b) what corrective measures are proposed to be taken to improve the functioning of the S.T.C.; and

(c) what is the manner in which the recent Exim Policy would have an impact on the turnover of STC?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) to (c) Total turnover of STC during the last three years is as under:—

(Rs. Crores)

1989-90	1855
1990-91	1756
1991-92	1314

The decline in STC's turnover is largely because of a sharp decrease in canalised imports and lower counter trade exports as a result of changes effected in the EXIM Policy over the last one year. The STC's turnover in 1991-92 includes about Rs. 567 crores of canalised items, since decanalised.

Subsequently, STC has re-formulated its corporate objectives with a view to becoming an international trading house functioning in a competitive environment principally based on non-canalised trade. Accordingly, performance targets of STC for the current financial year have been fixed at the level of Rs. 1525 crores which are higher than the achieved targets in the previous year.

अमरीका को औषधीय जड़ी-बूटियों का निर्यात

1139. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91 और 1991-92 के वर्षों में अमरीका को भारत से निर्यात की गई औषधीय जड़ी-बूटियों के नाम क्या हैं और इस निर्यात से भारत को कुल कितनी आय हुई ;

(ख) क्या भविष्य में भी अमरीका को इन औषधीय जड़ी-बूटियों का निर्यात करने के लिये अमरीका के साथ किसी व्यापारिक करार पर हस्ताक्षर किये गये हैं ;

(ग) यदि हां, तो किस मूल्य और और आधार पर ;

(घ) क्या 1990-91 और 1991-92 के वर्ष के दौरान अन्य देशों को भी इन औषधीय जड़ी-बूटियों का निर्यात किया गया था ; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में करार की मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान भारत से संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात की गई औषधीय जड़ी-बूटियों की प्रमुख मदें ये थीं : ईसब गोल की भूसी/बीज, सनाय के पत्ते तथा फलियां, कच्ची अफीम, पोस्त के बीज/भूसी, सरस पारिला तथा सदाबहार की जड़ आदि । वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका को इन मदों का निर्यात क्रमशः 46.09 करोड रुपये तथा 55 करोड़ रुपये के रहे ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) औषधीय पौधों/जड़ी बूटियों के निर्यात गैर सरकारी पार्टियों द्वारा किये जाते हैं और ये निर्यात सरकारों के बीच हुये किसी प्रकार के विशेष व्यापार करारों द्वारा संचालित नहीं होते हैं ।

निर्यात संवर्धन परिषदों में कर्मचारियों की छंटनी

1140. **श्री अजीत जोगी :**

श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने निर्यात संवर्धन परिषदों में कई कर्मचारियों की छटनी कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार छंटनी संबंधी अपने आदेशों की समीक्षा करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

हंगरी के साथ नवीन व्यापार प्रस्ताव

1141. **श्री अजीत जोगी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हंगरी के साथ सहयोग के कुछ क्षेत्रों का विस्तार करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गत जनवरी में हुई भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की पिछली बैठक में इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया था; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) जी हां, हंगरी के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे है । इनमें अन्य बातों के साथ-साथ ये भी शामिल है : व्यापार की वस्तुओं का विस्तार तथा विविधीकरण, व्यापार मेलों और प्रदर्शिनियों में भागीदारी को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक तथा व्यापार-प्रतिनिधि-मंडलों का आदान प्रदान शामिल है ।

(ग) और (घ) भारत-हंगरी संयुक्त व्यापार परिषद् की 23 जनवरी, 1992 को नई दिल्ली में हुई 10वीं बैठक में, हंगरी में संयुक्त उपक्रमों की स्थापना करने के लिए अभिज्ञात किए गए प्रमुख क्षेत्र है : वस्त्र, परिधान, चमड़ा तथा चमड़े से बने उत्पाद, आटोमोबाइल संघटक पर्यटन तथा होटल उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण इलैक्ट्रानिक्स आदि । दोनों देशों के बीच व्यापार में सुधार करने की सम्भावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया ।